गौरव का दिल पहुंचा अहमदाबाद, अंगदान से चार मरीजों को मिली नई जिंदगी

- मिसाल: इंदौर के बेटे गौरव ने बढ़ाया शहर का गौरव
- फिल्म कास्टिंग कोऑर्डिनेटर एवं कलाकार गौरव दवे का ब्रेन हेम्रेज से हो गया था निधन

नव भारत न्यूज

इंदौर. अपोलो हॉस्पिटल के बाहर सोमवार सुबह माहौल बेहद भावुक था. एक तरफ 25 वर्षीय गौरव दवे को अंतिम विदाई देने पहुंचे परिजनों की आंखें नम थीं, तो दूसरी ओर अस्पताल परिसर में मौजूद डॉक्टर, मुस्कान ग्रुप के सेवादार और पुलिसकर्मी इस बात के साक्षी बने कि कैसे एक युवा की विदाई चार लोगों के जीवन में नई उम्मीद बन गई.

खजूरी बाजार में रहने वाले फिल्म कास्टिंग कोऑर्डिनेटर एवं कलाकार गौरव दवे सोमवार 13 जुलाई से ब्रेन हेमरेज के बाद अपोलो हॉस्पिटल फेस 2 में भर्ती थे. इलाज के दौरान जब डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया. बहन वैदही राठी, बहनोई पलकेश राठी और भाई रितिक चावरे ने डॉक्टरों और मुस्कान ग्रुप के सेवादारों से अंगदान की प्रक्रिया को समझा और माता-पिता सतीश दवे व कविता दवे को इसके लिए तैयार किया. परिवार की सहमति के बाद गौरव का अंगदान की प्रक्रिया शुरू की गई. ब्रेन डेथ का पहला प्रमाणन सुबह 7.27 बजे और दूसरा दोपहर 4.28 बजे पूरा हुआ. इसके बाद रातभर अंग प्रत्यारोपण की तैयारियां चलती रहीं. गौरव का हृदय अहमदाबाद के यूएन मेहता हॉस्पिटल में भर्ती 28 वर्षीय मरीज को भेजा गया, जबकि लिवर अपोलो हॉस्पिटल में भर्ती इंदौर के 42 वर्षीय मरीज में प्रत्यारोपित किया. दोनों किडनियां चोइथराम हॉस्पिटल की 22 वर्षीय और 52 वर्षीय महिला मरीजों को नई जिंदगी देने के लिए सुरक्षित पहुंचाई गई. चेन्नई के अपोलो हॉस्पिटल में एक मरीज के लिए फेफड़े आवंटित किए थे, लेकिन अंतिम समय में लॉजिस्टिक व्यवस्था नहीं हो पाने के कारण उनका प्रत्यारोपण नहीं हो सका.

वहीं अहमदाबाद के यूएन मेहता हॉस्पिटल से हार्ट ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ. कार्तिक पटेल अपनी 10 सदस्यीय टीम के साथ देर रात एंबुलेंस से रवाना होकर सुबह 4.20 बजे इंदौर पहुंचे. जबकि अपोलो हॉस्पिटल की ट्रांसप्लांट टीम और मध्य प्रदेश शासन के सोटो कार्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर अंग आवंटन की पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया. सुबह 8.02 बजे अपोलो हॉस्पिटल से एयरपोर्ट तक इंदौर का 68वां ग्रीन कॉरिडोर बनाया. ट्रैफिक पुलिस की विशेष व्यवस्था के चलते एंबुलेंस महज 13 मिनट में एयरपोर्ट पहुंच गई. इसके बाद सुबह 9.15 बजे दूसरा ग्रीन कॉरिडोर चोइथराम हॉस्पिटल के लिए बनाया, जो 16 मिनट में पूरा हुआ. विदाई के क्षण सबसे अधिक भावुक रहे.

गौरव दवे को दिया गार्ड ऑफ ऑनर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल के तहत अंगदाताओं को दिए जाने वाले सम्मान के अनुरूप गौरव दवे को गार्ड ऑफ ऑनर दिया. अस्पताल परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर पुष्पवर्षा के बीच उन्हें अंतिम विदाई दी गई. इस दौरान परिजनों के साथ मौजूद लोगों की आंखें नम थीं. बताया गया है कि पूरी प्रक्रिया के दौरान सांसद शंकर लालवानी की संभागायुक्त डॉ. सुदाम खेड़े ने व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग की. वहीं मुस्कान ग्रुप के सेवादार जीतू बगानी, संदीपन आर्य, लकी खत्री और हरपाल सितलानी ने समन्वय की जिम्मेदारी निभाई.

चंदन नगर थाने का हेड कांस्टेबल रेप के आरोप में गिरफ्तार

महिला द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद हुई कार्रवाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. एक शिकायत की जांच के दौरान संपर्क में आए हेड कांस्टेबल पर एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाया है. सीएम हेल्पलाइन पर की गई महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है.

महिला ने किसी मामले को लेकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की थी. शिकायत की जांच चंदन नगर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अंचल तिवारी कर रहे थे. आरोप है कि जांच के दौरान प्रधान आरक्षक ने महिला से जान पहचान बढ़ाई और बाद में घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया. महिला की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और आरोपी प्रधान आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया. चंदन नगर थाना प्रभारी तिलक करोले ने बताया कि मामले में शिकायत के आधार पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी पुलिसकर्मी को गिरफ्तार कर जांच जारी है, तथ्यों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

इंदौर-उज्जैन रोड पर डेढ़ घंटे जाम में फंसे रहे वाहन

- अरविंदो हॉस्पिटल से बारोली टोल नाके तक लगी वाहनों की कतार
- हाइवे पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण बढ़ रही परेशानी

नव भारत न्यूज

इंदौर. इंदौर उज्जैन रोड पर सोमवार को लोगों को भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा. अरविंदो हॉस्पिटल के सामने से लेकर बरोली टोल नाके तक करीब डेढ़ घंटे तक वाहनों की लंबी कतार लगी रही. इस दौरान मरीज को लेने जा रही एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई.

प्रत्यक्षदर्शी राजेन्द्र सोलंकी ने बताया कि जाम के दौरान कई लोगों ने जल्द निकलने के प्रयास में रॉन्ग साइड से वाहन घुसा दिए, जिससे यातायात व्यवस्था बिगड़ गई. सड़क के दोनों ओर चारपहिया और दोपहिया वाहनों की लंबी लाइन लग गई और लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा. जाम की सूचना मिलने के बाद यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और वाहनों को व्यवस्थित कर यातायात सुचारू कराया. वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि सिक्स लेन सड़क का काम चलने के कारण कई जगह सड़क खराब हैं, इसलिए यातायात हमेशा प्रभावित होता है, जिससे आए दिन जाम की स्थिति बन रही है.

महेश्वर की सहस्त्रधारा में इंदौर का युवक बहा, 12 घंटे बाद मिला शव

- पत्नी और भाई मदद के लिए चिल्लाते रह गए
- तेज बहाव के कारण कुछ सेकंड में ही हो गया था ओझल

नव भारत न्यूज

इंदौर. महेश्वर के जलकोटी स्थित सहस्त्रधारा घाट पर नर्मदा की तेज धारा में बहने से इंदौर के 30 वर्षीय युवक अर्पित हाड़ा की मौत हो गई. परिवार के सामने हुए हादसे में पत्नी और भाई मदद के लिए चीखते रहे, लेकिन तेज बहाव के कारण अर्पित कुछ ही सेकंड में आंखों से ओझल हो गए. दूसरे दिन सोमवार को भी रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया. हादसे के लगभग 12 घंटे बाद उनका शव बरामद किया गया.

निपानिया में रहने वाले अर्पित हाड़ा रविवार को परिवार के साथ महेश्वर और आसपास के पर्यटन स्थलों पर घूमने गए थे. अर्पित के पिता अमर सिंह हाड़ा ने नवभारत को बताया कि रविवार दोपहर करीब 1 बजे अर्पित दोस्त की फैमिली और अपनी फैमिली के साथ घूमने निकला था. वाहन में एक बच्चे सहित पांच लोग थे. घर से निकलते समय उसने सिर्फ बाहर जाने और जल्द लौटने की बात कही थी. पिता के मुताबिक, महेश्वर दर्शन के बाद शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच अर्पित जलकोटी स्थित सहस्त्रधारा पहुंचे थे. नर्मदा में स्नान के दौरान अचानक पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चले गए और तेज बहाव में बह गए. अर्पित को बहता देख पत्नी पूजा और भाई ने शोर मचाकर मदद मांगी. आसपास मौजूद नाविक, ग्रामीण और पर्यटक मौके पर पहुंचे, लेकिन तेज बहाव और पथरीले क्षेत्र के कारण कोई नदी में उतर नहीं सका और देखते ही देखते अर्पित तेज धारा में गायब हो गए.

सहस्त्रधारा और नर्मदा घाट क्षेत्र में तीन महीने में चौथा हादसा- सहस्त्रधारा और नर्मदा घाट क्षेत्र में पिछले तीन महीनों में डूबने या बहने की यह चौथी घटना है. इससे पहले 11 मई, 10 जून और 27 जून को भी ऐसे हादसे सामने आ चुके हैं. एसडीएम पूर्वा मंडलोई का कहना है कि क्षेत्र में स्थायी गोताखोर और पुलिस बल की तैनाती के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को प्रस्ताव भेजा जाएगा.

रविवार रात अंधेरा होने पर रोक दिया था रेस्क्यू ऑपरेशन

सूचना मिलने पर महेश्वर पुलिस, होमगार्ड रेस्क्यू टीम और स्थानीय गोताखोरों ने तलाश शुरू की. रविवार शाम से रात तक चले अभियान के बाद अंधेरा होने पर सर्चिंग रोकनी पड़ी. सोमवार सुबह एसडीआरएफ और रेस्क्यू टीम ने दोबारा अभियान शुरू किया. शाम करीब साढ़े चार बजे बजे नदी से अर्पित का शव बरामद किया. अमर सिंह हाड़ा ने बताया कि अर्पित जैविक पोषण ऑल इंडिया नाम से कारोबार करते थे. उनकी शादी करीब पांच साल पहले हुई थी और उनका तीन साल का बेटा है.

एक नजर में

अंतर जिला जूनियर बालक फुटबॉल, इंदौर की 18 सदस्यीय टीम घोषित

महू. सीहोर में आयोजित होने वाली मध्य प्रदेश अंतर जिला जूनियर बालक फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए इंदौर जिला फुटबॉल संघ ने अपनी 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है. स्थानीय सरदार पटेल स्कूल ग्राउंड कोदरिया में आयोजित सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर में अंतिम टीम का चयन किया गया. टीम में आराध्या जैन, अभिजीत यादव, यश बिलजारिया, ईशान, प्रियांशु योगी, अनंत लहोटे, इशित सचदेव, तनिष्क चिराउड़े, प्रज्वल, निमिष गुप्ता, आदित्य जैन, श्रेयांश सिंह, जीउस डेविड, तथास्तु, अर्णव कौशल, अभिज्ञान भार्गव, कार्तिक हटेला एवं आयुष्मान यादव का चयन किया गया . कोच व प्रबंधन हेड कोच दीपक चौहान, सहायक कोच मो. अयान मैनेज एवं अंश सिरसिया होंगे. टीम के चयन में संघ की चयन समिति के चेयरमैन जगदीशचंद खोड़े, कन्वीनर अंकित चिराउड़े सहित समिति सदस्य अशोक पिल्ले, सुरेश डामोर, प्रवीण कांबले, जयेश मार्टिन, मो. खालिद, आकाश भमौर एवं अंश सिरसिया की मुख्य भूमिका रही. इस अवसर पर इंदौर जिला फुटबॉल संघ के सचिव नीरज शर्मा, इंदौर प्रभारी राकेश सिरसिया, ओपी बाथम, एसएम सलीम, यशवंत कौशल, अमित शुक्ला, रमीज राजा, विक्रम शक्तावत, आशीष राव सहित कई पदाधिकारी एवं खिलाड़ियों के अभिभावक उपस्थित थे.

न्यू रेनबो ऑर्केस्ट्रा के कार्यक्रम में बही सुरों की सरिता, श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

महू. स्थानीय बालाराम बगीचा में न्यू रेनबो ऑर्केस्ट्रा द्वारा एक भव्य संगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें नए और पुराने कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार गीतों की झड़ी लगा दी, जिसे उपस्थित श्रोताओं ने खूब सराहा. वर्ष 1985 से संगीत जगत में सतत सेवाएं दे रहे इस प्रतिष्ठित ऑर्केस्ट्रा ग्रुप के आयोजक और निर्देशक भोला राम कटारिया एवं विनोद मेहना हैं. मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी राधेश्याम यादव एवं सुभाष चंद पटवा द्वारा दीप प्रज्वलित करने के पश्चात मां शारदा की वंदना के साथ सुरों की महफिल की शुरुआत हुई. संगीत संध्या में गायक कलाकारों ने अपनी मधुर आवाज से समां बांध दिया. प्रस्तुति देने वाले मुख्य गायकों में भोला राम कटारिया, विनोद मेहना, हेमंत पठरोड़, सुरेश वैध, सुनील कौशल, रमेश जायसवार, मुश्ताक भाई, उमेश भोंसले, राजेश मेहरोलिया, वीरेंद्र कोंगे, सुनीता कोंगे, शिखा कश्यप और पूजा स्वामी शामिल थे. मंच संचालन पायल परदेशी ने किया. इस गरिमामयी अवसर पर पं. राजू शास्त्री, पं. स्वामी श्यामा नन्द आचार्य, बसंत अग्रवाल, अरुण जोशी, कमलेश यादव, संजय यादव, दिलीप कोठारी, महेश पांचाल, अशोक पंवार, ओंकार नाथ तिवारी, बीके पाल, मुन्ना पहलवान, नरेश जोशी और राजू शुक्ला सहित बड़ी संख्या में संगीत प्रेमी उपस्थित थे.

संगीत निशा में महू और इंदौर के सुर साधकों ने बिखेरा सुरों का जादू

महू. स्थानीय माहेश्वरी स्कूल परिसर में सुर सप्तक मेलोडियस संस्था द्वारा महान पार्श्व गायक मुकेश के गीतों पर आधारित एक भव्य संगीत निशा का आयोजन किया गया. संस्था के मीडिया प्रभारी विजय परदेशी ने बताया कि एक प्यार का नगमा है शीर्षक के अंतर्गत सजी इस महफिल में महू और इंदौर के प्रमुख सुर साधकों ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों से संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया. कार्यक्रम में मुकेश के गाए एकल और युगल गीतों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. रोमांटिक युगल गीतों की श्रृंखला में वीरेंद्र कोंगे और सुनीता कोंगे ने शीर्षक गीत एक प्यार का नगमा है की शानदार प्रस्तुति दी. इसके बाद अरुण जोशी-पूर्णिमा तायडे ने बड़े अरमान से रखा है बलम, जेबी सिंह-निधि मोरे ने आ अब लौट चलें, तथा कमलेश यादव, जितेंद्र मोरे व निधि मोरे ने हमको तुमसे हो गया है प्यार क्या करें जैसे सदाबहार गीतों से समां बांध दिया. वहीं राजेश सिंह चंदावत और संजय चंदावत ने सात अजूबे इस दुनिया में गीत की शानदार प्रस्तुति दी.

पटना इंदौर एक्सप्रेस में यात्री का मोबाइल चोरी

जीआरपी ने जीरो पर कायमी कर वाराणसी भेजा मामला

इंदौर. पटना से इंदौर आ रही पटना इंदौर एक्सप्रेस में सफर के दौरान एक यात्री का मोबाइल चोरी हो गया. घटना वाराणसी रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले की होने के कारण जीआरपी इंदौर ने शून्य पर अपराध दर्ज कर केस डायरी जीआरपी वाराणसी (उत्तर प्रदेश) भेज दी है.

बिहार में रहने वाले विकास कुमार झा अपनी पत्नी के साथ शुक्रवार 24 जुलाई को पटना इंदौर एक्सप्रेस के एस 5 कोच में बर्थ नंबर 35 एवं 37 पर यात्रा कर रहे थे. उन्होंने सोने से पहले अपना करीब 25 हजार रुपए कीमत का सैमसंग मोबाइल सिरहाने रखा था. वाराणसी स्टेशन पहुंचने से पहले नींद खुली तो मोबाइल गायब मिला, अज्ञात बदमाश मोबाइल चोरी कर ले गया. घटना वाराणसी क्षेत्र की होने से जीआरपी इंदौर ने शून्य पर अपराध दर्ज कर प्रकरण जीआरपी वाराणसी को भेज दिया है.

हाथी के हमले से ऑटो चालक की मौत मामले में महावत पर केस

- हमले के बाद हाथी को गौ आश्रम में रखा था
- हाथी को संचालक अपने साथ ले गए, ठिकाने की जानकारी नहीं

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजनगर क्षेत्र में हाथी के हमले में ऑटो चालक विजय होलकर की मौत के मामले में पुलिस ने महावत उमेश के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है. पुलिस ने हाथी को नियंत्रित करने में लापरवाही बरतने के आरोप में भी कार्रवाई की है. पूछताछ के बाद महावत को थाने से छोड़ दिया, जबकि हमले के बाद गौ आश्रम में रखे गए हाथी को अब उसके संचालक अपने साथ ले गए हैं.

परिजन बोले, सहायता नहीं मिली, सख्त कार्रवाई हो...

मृतक विजय होलकर के भतीजे पीयूष ने आरोप लगाया कि हादसे के बाद परिवार को अब तक कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली है. उन्होंने कहा कि आक्रामक हाथी को इस तरह खुले में छोड़ना भविष्य में भी खतरा बन सकता है. परिवार ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई और सहायता की मांग की है.

राजनगर क्षेत्र में शनिवार को हाथी के हमले में ऑटो चालक विजय होलकर की मौत के मामले में पुलिस ने महावत उमेश के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है. रविवार को घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामले में कार्रवाई तेज हुई. प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि हाथी ने अचानक ऑटो चालक विजय होलकर को सूंड से मार कर पटक दिया था. इसके बाद उसे पैर से कुचल दिया. गंभीर हालत में विजय को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. पुलिस जांच में सामने आया कि हाथी के साथ मौजूद महावत उमेश उज्जैन के मंगलनाथ रोड स्थित निर्मोही अखाड़े के पास रहता है. थाना प्रभारी तिलक करोले के अनुसार, पूछताछ में महावत उमेश ने बताया कि वह हाथी को लेकर एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने इंदौर आया था. उसका कहना है कि हाथी पहले कभी इस तरह आक्रामक नहीं हुआ था. घटना के बाद हाथी को पंचकुईया क्षेत्र स्थित गौ आश्रम में रखा था. सोमवार को जानकारी मिली कि हाथी को उसके संचालक अपने साथ ले गए हैं. फिलहाल हाथी को कहां रखा गया है, इसकी जानकारी पुलिस के पास भी नहीं है. वहीं, हाथी के रखरखाव को लेकर पुलिस और संबंधित विभागों के बीच भी निर्णय नहीं हो सका है. चिड़ियाघर प्रशासन ने भी उसे रखने को लेकर अभी कोई अंतिम सहमति नहीं दी थी. मामले में महावत के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. हाथी की स्थिति और उसके रखरखाव को लेकर संबंधित विभागों से जानकारी ली जा रही है.

जुलूस में बदमाशों के हाथ पैर पर बंधी पट्टियां जेल गेट पर उतरीं!

वायरल वीडियो से हीरानगर पुलिस की कार्रवाई पर उठे सवाल

नव भारत न्यूज

इंदौर. हीरानगर थाना क्षेत्र में मारपीट के मामले में गिरफ्तार तीन बदमाशों का पुलिस ने रविवार को जुलूस निकाला, लेकिन कुछ ही देर बाद सामने आए एक वीडियो ने पूरी कार्रवाई पर सवाल खड़े कर दिए. दरअसल, जुलूस के दौरान जिन आरोपियों के हाथ पैर पर पट्टियां बंधी दिखाई दे रही थीं, वही पट्टियां जेल गेट पहुंचने पर उतर चुकी थीं. वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की कार्रवाई को लेकर तरह तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं.

मामला बुधवार 23 जुलाई का बताया जा रहा है, जब कार और बाइक की टक्कर के बाद दो पक्षों में विवाद और मारपीट हुई थी. पुलिस ने इस मामले में शोभित साक्यवार, निक्की अहिरवार, ओम उर्फ देवाय समेत चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था. रविवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने इलाके में उनका जुलूस निकाला और बाद में न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया. देर रात सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में जेल गेट के बाहर आरोपी बिना पट्टियों के नजर आए, जबकि पट्टियां पास ही दीवार के किनारे रखी दिखाई दीं. इसके बाद लोगों ने सवाल उठाए कि यदि आरोपी घायल थे तो पट्टियां अचानक कैसे उतर गईं. सोशल मीडिया पर यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि जुलूस के दौरान केवल दिखावे के लिए पट्टियां बांधी गई थीं. हालांकि, इन आरोपों की फिलहाल आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है.

एसीपी रूबीना मिजवानी- सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की जांच कराई जा रही है. जांच रिपोर्ट के आधार पर यदि किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी.

सोशल मीडिया पर दोस्ती के बाद मिलने बुलाया, की छेड़छाड़

इंदौर. एमआईजी थाना क्षेत्र में 15 वर्षीय स्कूली छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. आरोप है कि सोशल मीडिया पर दोस्ती करने वाले युवक ने उसे मिलने बुलाया और बाद में अपने दोस्त के पास भेज दिया, जहां उसके साथ अश्लील हरकतें की गई. पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

छात्रा की पहचान करीब एक माह पहले सोशल मीडिया के जरिए प्रियांशु से हुई थी, दोनों के बीच बातचीत होने लगी थी. आरोप है कि प्रियांशु ने छात्रा को मिलने बुलाया और बाइक से घुमाने के बाद अपने दोस्त हितेंद्र के साथ भेज दिया. छात्रा ने शिकायत में बताया कि हितेंद्र उसे घर ले गया, जहां उसने उसके साथ अश्लील हरकतें करने का प्रयास किया. विरोध करने पर छात्रा वहां से निकली और बाद में परिजनों को पूरी घटना बताई. इसके बाद परिजन उसे एमआईजी थाने लेकर पहुंचे. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है. जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में आठ दिन में एक बार टैंकर आता है, सरकारी बोरिंग भी आए दिन हो जाता है खराब, बाकी दिनों दूर-दूर से पानी लाकर गुजारा करने को मजबूर हैं रहवासी

विश्वधाम कॉलोनी में नर्मदा लाइन नहीं होने से गंभीर जल संकट

इंदौर. शहर के कई वार्डों और बाहरी कॉलोनियों में नर्मदा जल योजना के विस्तार के दावों के बावजूद अधिकांश स्थानों पर गंभीर जल संकट बना हुआ है. कई क्षेत्रों में पाइपलाइन न होने या कम दबाव के कारण लोगों को हफ्तों तक पानी के लिए टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है, जिससे स्थानीय रहवासियों में भारी नाराजगी है.

शहर में नगर निगम के नर्मदा जल योजना के विस्तार के दावों के बावजूद कई क्षेत्र आज भी नर्मदा जल योजना की पहुंच से दूर हैं. ऐसा ही मामला रोबोर्ट चौराहा से करीब एक किलोमीटर अंदर स्थित वार्ड क्रमांक 40 की विश्वधाम कॉलोनी का सामने आया है. यहां पानी के टैंकर के पहुंचते ही दर्जनों खाली बर्तनों की कतारें लग जाती हैं और लोग अपनी बारी का इंतजार करते नजर आते हैं. जानकारी के अनुसार नगर निगम का टैंकर आठ दिन में केवल एक बार पानी उपलब्ध कराता है, जिसे परिवारों को पूरे आठ दिन तक संभालकर उपयोग करना पड़ता है. कॉलोनी में एक सरकारी बोरवेल से नियमित पानी मिलता है, लेकिन उसके खराब होते ही संकट गंभीर हो जाता है और लोगों को दूसरे क्षेत्रों से पानी लाना पड़ता है. बताया जाता है कि वर्षों से नर्मदा लाइन बिछाने और घर-घर नल कनेक्शन देने के वादे किए जा रहे हैं, लेकिन इस कॉलोनी में अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई, जिससे लोगों में नगर निगम के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है.

यह बोले रहवासी....

अभी तक तो नहीं सुना कि क्षेत्र में नर्मदा लाइन डाली जाएगी, सरकारी बोरिंग से हम काम चलाते हैं. नर्मदा लाइन की आवश्यकता है, इससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी.

- माया बाई

तीन साल से तो नगर निगम की तरफ से कोई भी नहीं आया. न ही पार्षद आए और न ही कोई अन्य जनप्रतिनिधि. टैंकर से मिलने वाले पानी को आठ दिन स्टॉक कर इस्तेमाल करते हैं.

- जया खत्री

पीने के पानी की हमें बहुत दिक्कत आती है, सरकारी बोरिंग है, जो कभी चलता है, कभी नहीं चलता और नगर निगम के टैंकर का भी कोई भरोसा नहीं रहता.

- रेखा भालसे